EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

"EPCH HOUSE" POCKET–6 & 7, SECTOR–C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070
Tel: 91-11-26135256 Email: mails@epch.com
Fax: 91-11-26135518, 26135519 Web: www.epch.in

PRESS RELEASE

37TH EDITION OF 4-DAY INDIAN HANDICRAFTS & GIFTS FAIR TO OPEN ON 17th FEBRUARY, 2014 AT INDIA EXPO CENTRE & MART, GREATER NOIDA

New Delhi –February, 11, 2014 –Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) shall be organizing 37th edition of Indian Handicrafts & Gifts Fair (IHGF), Spring, 2014 from February 17 – 20, 2014 at India Expo Centre & Mart, a state-of-the art venue built up exclusively at Greater Noida, for promoting Handicrafts trade from the country.

The fair which was initiated by EPCH in the year 1994 held twice a year and has become so popular in the world market that it attracts large number of overseas buyers in each edition of the fair who come to source their requirements from Indian companies participating at this fair.

The Council has been organizing the Indian Handicrafts & Gifts Fair with the intention of providing a platform to the exporting community and to the importing community of the world to conduct business based on mutual interest.

Dr. K.S. Rao, Union Minister of Textiles will be inaugurating the fair on 17th February, 2014. Minister of State for Textiles Smt. Panabaaka Lakshmi shall preside over the ceremony, Ms. Zohra Chatterji, Secretary (Textiles) shall be Guest of Honour, Mr. S.S. Gupta, Development Commissioner (Handicrafts) will also grace the occasion.

The visits of First Lady of Colombia Mrs. Maria Clemencia Rodriguez De Santos, wife of the President of Colombia, H.E. Mr. Juan Manuel Santos, Mrs. Monica De Greiff Lindo, President of Bogota Chambers of Commerce and Mrs. Aida Vivian Lechter De Furmansky, General Manager of Artesanias De Colombia will be one of the highlights of the fair.

The Handicrafts Fair this year will have more than 2650 exhibitors including 900 permanent marts, drawn from various regions and states of India displaying a very wide variety of Handicrafts at this show. Out of total 2650 exhibitors, 587 are from Central region, 143 eastern region, 519 from Northern region, 402 from North-West (Rajasthan), 43 from Southern region and 46 from Western region.
The major product categories will be Houseware, Home textiles, Furniture, Cane and Bamboo, X-Mas decorations, Fashion Jewellery and Lamp & Lighting. Lace craft from Narsapur, Andhra Pradesh will also be on display.

Mr. Rakesh Kumar, Executive Director of EPCH, informed that the uniqueness of the products showcased at this fair will continue to be the domination of hand crafted and hand made products where machines are used only for finishing purposes. Though hand crafted products are displayed at many other fairs in the world but it is also a known fact that hand crafted products produced in countries like China, Taiwan, Korea, Indonesia etc. are predominantly machine made and hand work is done only for finishing. This is the reason that these countries cater to bulk orders in thousands and millions.

Unlike this, India still have predominance of hand crafted and hand made products and this is the reason that India offers uniqueness in craftsmanship, finish and presentation which brings further value addition.

Mr. Lekhraj Maheshwari, Chairman – EPCH added that the product range on display at the fair will be suitable for meeting requirement of all types of buyers ranging from low, middle and top end consumers. It is expected that large number of buyers from all across the globe shall be visiting the fair for sourcing their requirements of handicrafts.

Two seminars will be organized during the fair entitled "Vriksh Timber Legality Assessment and Verification System" on 18th February, 2014 and "Quality Control and Necessary compliances for Handicrafts Sector" on 19th February, 2014 at Board Room, Ground Floor, India Expo Centre and Mart.

Handicrafts exports registered an increase of 38.5% in Rupee terms and 22.15% in dollar terms during 2012-13 over the previous year. The exports during first 10 months of the current fiscal is Rs. 16,786.24 crores. Export target of Rs. 24,500 crores during 2013-14 will be surpassed, elaborated by Chairman – EPCH.

The EPCH is a nodal agency for promotion of exports of handicrafts products from India and projects India's image abroad as a reliable supplier of high quality handicrafts products.

For more information, please contact
Mr. Rakesh Kumar, Executive Director – EPCH +91-9818272171

प्रेस विज्ञप्ति

17 फरवरी 2014 से ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एवं मार्ट में 37वें चार दिवसीय भारतीय हस्तशिल्प और उपहार मेले का आयोजन

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 2014- देश से हस्तशिल्प व्यापार को बढ़ावा देने के लिए भारतीय हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद 17-20 फरवरी 2014 से भारतीय हस्तशिल्प व उपहार मेले (आईएचजीएफ), स्प्रिंग के 37वें संस्करण का आयोजन ग्रेटर नोएडा के अत्याधुनिक तकनीक युक्त इंडिया एक्सपो मार्ट में करेगा.

1994 में ईपीसीएच द्वारा शुरू किया गया यह मेला साल में दो बार आयोजित किया जाता है और यह दुनिया भर में इतना लोकप्रिय हो चुका है कि इसके प्रत्येक संस्करण में विदेशी खरीददार भारतीय कंपनियों से अपनी आवश्यकताओं के पूर्ति के लिए बड़ी संख्या में यहां पहुंचते हैं.

भारतीय निर्यात समुदाय और दुनिया के आयात समुदाय को पारस्परिक लाभ पर आधारित व्यापार के लिए एक मंच प्रदान करने के इरादे से परिषद भारतीय हस्तशिल्प और उपहार मेले का निष्पक्ष आयोजन करता आ रहा है.

केंद्रीय कपड़ा मंत्री डॉ. के.एस. राव 17 फरवरी 2014 को इस मेले का उद्घाटन करेंगे. कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती पानबाका लक्ष्मी इस समारोह की अध्यक्षता करेंगी. इस मौके पर कपड़ा सचिव सुश्री जोहरा चटर्जी विशिष्ट अतिथि होंगी, हस्तशिल्प विकास आयुक्त श्री एस.एस. गुप्ता भी इस अवसर पर मौजूद रहेंगे.

कोलंबियाई राष्ट्रपति महामहिम श्री जुआन मैनुअल सैंटोस की पत्नी व कोलंबिया की प्रथम महिला श्रीमती मारिया क्लेमेंसिया रोड्रिगेज डी सैंटोस, बगोटा चेंबर ऑफ कॉमर्स की अध्यक्ष श्रीमती मोनिका डी ग्रिफी लिंडो और आर्टेसानियस डी कोलंबिया की महाप्रबंधक श्रीमती एइदा विवियन एल डी फर्मेंस्की का दौरा मेले के दौरान मुख्य आकर्षण में से एक होगा.

हस्तशिल्प मेले में इस साल देश के विभिन्न राज्यों से ली गई 900 स्थायी माट्र्स समेत 2,650 से अधिक प्रदर्शक अपनी व्यापक हस्तशिल्प विविधता का प्रदर्शन करेंगे.
कुल 2,650 प्रदर्शकों में से 587 मध्य क्षेत्र, 519 उत्तरी क्षेत्र, 402 पश्चिमोत्तर (राजस्थान), 43 दक्षिणी क्षेत्र से जबकि 46 पश्चिमी क्षेत्र से हैं.

प्रमुख उत्पाद श्रेणियों में घरेलू सामान, कपड़े, फर्नीचर, बेंत और बांस, क्रिसमस की सजावट, फैशन ज्वेलरी और लैंप व लाइट्स होंगे. आंध्र प्रदेश के नरसापुर के फीता शिल्प को भी प्रदर्शित किया जाएगा.

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राकेश कुमार ने बताया कि इस मेले में प्रदर्शित उत्पादों की हस्तनिर्मित विशिष्टता हमेशा की तरह बरकरार रहेंगी जहां मशीन से केवल फिनिशिंग का काम किया जाता है. हालांकि हाथ से बने उत्पाद दुनिया के अन्य कई मेलों में भी प्रदर्शित किए जाते हैं लेकिन यह सर्वविदित तथ्य है कि चीन, ताइवान, कोरिया, इंडोनेशिया जैसे देशों में निर्मित शिल्प उत्पाद मशीन से बनाए जाते हैं जबकि इनमें हाथ से काम केवल फिनिशिंग के लिए किया जाता है. यही कारण है कि ये देश हजारों-लाखों की संख्या में थोक ऑर्डर लेते हैं.

इसके विपरीत, भारत में अभी भी हस्तनिर्मित शिल्प प्रबलता से तैयार की जाती है और यही कारण है कि भारत शिल्प कौशल, फिनिशिंग और प्रस्तुति में एक विशिष्टता पेश करता है जो इसके उत्पादों की मूल्य वृद्धि भी करता है.

ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री लेखराज माहेश्वरी ने आगे बताया कि मेले के दौरान प्रदर्शित उत्पादों के रेंज कम, मध्यम और शीर्ष उपभोक्ताओं के साथ सभी प्रकार के खरीददारों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उपयुक्त होंगे. यह उम्मीद की जा रही है कि दुनिया भर से बड़ी संख्या में खरीददार मेले में अपनी आवश्यकताओं की तलाश में पहुंचेंगे.
इस मेले के दौरान दो सेमिनार 'वृक्ष इमारती लकड़ी वैधता का आकलन और सत्यापन प्रणाली' 18 फरवरी 2014 को जबकि 'गुणवत्ता नियंत्रण और हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए आवश्यक अनुपालन' 19 फरवरी 2014 को इंडिया एक्सपो मार्ट के ग्राउंड फ्लोर स्थित बोर्ड रूम में आयोजित किया जाएगा.

हस्तशिल्प निर्यात में पिछले साल की तुलना में 2012-13 के दौरान डॉलर के संदर्भ में 22.15% जबकि रुपये के संदर्भ में 38.5% की वृद्धि हुई है. चालू वित्त वर्ष के पहले 10महीनों के दौरान निर्यात 16,786.24 करोड़ रुपये का रहा है. ईपीसीएच के अध्यक्ष ने आगे बताया कि 2013-14 के दौरान 24,500 करोड़ रुपये का निर्धारित निर्यात लक्ष्य पार कर जाएगा.

ईपीसीएच भारतीय हस्तशिल्प उत्पादों और एक विश्वसनीय उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प उत्पादों के आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की छवि को विदेशों में बढ़ावा देने के लिए एक नोडल एजेंसी है.

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
श्री राकेश कुमार, कार्यकारी निदेशक - ईपीसीएच +91-9818272171